ग्रामीणों तथा पुलिस के बीच कैसा हो तालमेल?

सदर थाना में अपने शोध कार्य के दौरान पुलिस से बातचीत करते अरिदमन जीत सिंह व अन्य। (पंकज)

सिरसा, 26 मार्च (मुखर्जी): पुलिस की कार्यप्रणाली व व्यवस्था पर शोध कर रहे 'निशान' संस्था के सदस्यों ने आज सिरसा सदर थाने का दौरा किया। इस दौरे में पुलिस और ग्रामीणों के बीच तालमेल कैसा चल रहा है तथा पुलिस और ग्रामीणों के बीच आखिर कौन सी परेशानियां हैं जिनकी वजह से दोनों के बीच अंतर बना हुआ है, पर गहनता से शोध किया जा रहा है। आए दिन दोनों के बीच चलने वाली आपसी विषमताओं को लेकर अनेक मामले सामने आते रहते हैं तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? इन सभी तथ्यों पर मंथन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडिंग ऑफिसर अरिदमन जीत सिंह यू.के. से आए एक दल के साथ जिले में पुलिस अधिकारी तथा ग्रामीणों से रू-ब-रू हो रहे हैं। इस दल में महिला तथा पुरुष दोनों ही मौजूद हैं। यू.के. से आया दल व कमांडिंग ऑफिसर के साथ ग्रामीणों से मिलकर पुलिस के प्रति नजरिया क्या है के बारे में बातचीत कर अपने शोध को अंजाम दे रहे हैं। इसके साथ ही ग्रामीण और पुलिस अधिकारियों के विचार अरिदमन सिंह अंग्रेजी भाषा को हिंदी में अनुवाद कर लोगों तक पहुंचा रहे हैं। गौतलब है कि यह दल सदर थाने के कई गांवों में घूमने के बाद सदर थाना प्रभारी से मिला। वहीं इस बारे में सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडिंग ऑफिसर अरिदमन जीत सिंह का कहना है कि पुलिस प्रशासन अंग्रेजों के जमाने के बनाए हुए नियमों पर चले आ रहे हैं। बदलते परिवेश में उन नियमों में भी बदलाव आवश्यक है। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने जो पुलिस के नियमों में बदलाव किए हैं वह भी जनता व पुलिस के हित में न होकर पुलिस के उच्च अधिकारियों के हित में हैं। अत: आवश्यकता है कि ग्रामीण तथा पुलिस दोनों से बात करने के बाद मंथन करने के लिए नियमों में बदलाव कराया जाए। सिरसा से किया आरंभ जनता के नजरिए से पुलिस में बदलाव पर सर्वे पूरे हरियाणा में चलेगा लेकिन यह सर्वे सबसे पहले सिरसा से आरंभ किया गया है। यू.के. से आए 5 सदस्यीय दल में टोवायस शैफर्ड, बैरिस्टर मनीषा सिंह, स्पैशल पुलिस ऑफिसर मलीषा गोर्डन, बैरिस्टर जितेंद्र सिंह के अलावा टीचर जेनेफर शैफर्ड भी शामिल थे। इस मौके पर सदर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह, इंस्पैक्टर वीरेंद्र सिंह, महिला सैल की एस.आई. कौशल्या देवी के अलावा सब इंस्पैक्टर रामनाथ मौजूद थे।